माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
शरीर रचना	6 2 0	हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

X	2	9	1	3	2	8	1	4	8

शब्दों में

X	दो	नौ	एक	तीन	दो	आठ	एक	चार	आठ

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 2 शब्दों में 2

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 6-4

ग :- परीक्षा का दिनांक 28 03 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायरसेकेण्डरी परीक्षा वर्ष-2019

केन्द्र क्रमांक-181012

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Urmila Rohare Urmila	[signature]

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
P. K. PALIWAL 2019V1218	2019V1477

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

desmat A4ST-16 99.1x33.9mmx16 Laser/Inkjet/Copier Label

2

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 1

सही विकल्प :-

(अ) उत्तर :- (iv) 120-140 दिन

(ब) उत्तर :- (iv) गर्भाशय में।

(स) उत्तर :- (iv) पियूष ग्रंथि।

(द) उत्तर :- (i) दो।

(इ) उत्तर :- (iii) पीलिया।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 2

रिक्त स्थान :-

(अ) हृदय के (बाएँ) भाग मे शुद्ध रक्त रहता है।

(ब) श्वास नलिका पर 'सी' आकार के उपास्थि ... (16) से (20) छल्ले पाए जाते है।

मध्यप्रदेश

(स) शरीर का संतुलन बनाये रखने मे (अनुमस्तिष्क) मदद करता है।

(द) एड्रिनल ग्रंथि (वृक्क में) पायी जाती है।

(इ) जीवाणुओ मे गति (पक्ष्म) के द्वारा होती है।

प्रश्न क्रमांक - 3

एक शब्द / वाक्य मे उत्तर! -

(अ) रक्त प्लाज्मा रक्त का द्रवीय भाग है जो पीले रंग का होता है।

(ब) जब कोई युवा अपराध करता है जिन्हे सैद्धान्तिक रूप से मुकदमे के दायरे मे नही लिया जा सकता बाल - अपराधी कहलाता है।

(स) श्वसन वह क्रिया है जिसमे कोशिकाओं मे उपस्थित जटिल खाद्य पदार्थ ऑक्सीकरण द्वारा सरल पदार्थों (CO_2 एवं H_2O) मे टूटते है और ऊर्जा मुक्त होती है।

P.T.O.

4 | | + | | = | |

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 4 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(द) ह्यूमन इम्यूनो वायरस (HIV) |

(इ) शरीर के अन्दर अन्तः स्त्रावी ग्रंथियो से स्त्रावित होने वाले पदार्थ हार्मोन्स कहलाते है |

प्रश्न क्रमांक - 4

BSE

सही जोड़ी :-

क्र.	(अ)	क्र.	(ब)
(i)	तंत्रिकाकाय	(vi)	डेन्ड्रॉन
(ii)	पलके	(iv)	मिबोमियन ग्रन्थि
(iii)	टूर्नीकेट	(i)	रक्त स्त्राव रोकने मे
(iv)	तनाव व तूफान	(ii)	किशोरावस्था
(V)	निमोनिया	(iii)	डिप्लोकोकस निमोनियाई

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 5 के अंक = कुल अंक

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

क्र.

प्रश्न क्रमांक - 5

उत्तर:- प्राणायाम के लाभ निम्नलिखित है -

(i) कफ विकार दूर होते है।

(ii) फेफड़ो की कार्य क्षमता मे वृद्धि होती है।

(iii) पाचन क्रिया सुचारु होती है।

प्रश्न क्रमांक - 6

उत्तर:-

प्रतिवर्ती क्रिया ⇒ शरीर मे मेरुरज्जु का विस्तार होकर मस्तिष्क का निर्माण होता है। मस्तिष्क दो प्रकार की अनुक्रियाएँ करता है, पहला विधिपूर्वक विश्लेषण के बाद अनुक्रिया करता है और दूसरी कुछ अनुक्रियाएँ स्वतः ही हो जाती हैं जिन्हें प्रतिवर्ती क्रिया या स्वतः प्रेरित क्रियाएँ कहते है।

उदाहरण ⇒ 1 हाथ मे पिन चुभने पर हाथ

P.T.O.

6 [ ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ　पृष्ठ　कुल अंक

प्रश्न क्र. को हटा लेना, छींक आना और पलक झपकना आदि। इसका मार्ग इस प्रकार है —

उद्दीपन → ग्राही अंग → संवेदन तंत्रिका → मेरूरज्जु → प्रेरकतंत्रिका → मॉसपेशी।

प्रश्न क्रमांक - 7

उत्तर:- हैजा रोग के लक्षण निम्नलिखित है -

(i) रोगी को चावल की मॉड जैसे श्वेत और पतले दस्त होने लगते हैं दस्तो के कारण रोगी दुर्बल हो जाता है और उसे ज्वर आ जाता है।

(ii) प्यास अधिक लगती है, और पेशाब आना बंद हो जाता है,

(iii) शरीर ठण्डा पड़ जाता है और आँखे पीली पड़ जाती है।

(iv) उचित समय पर इलाज न होने पर रोगी मृत्यु के निकट पहुँच जाता है।

B
S
E

योग पूर्व पृष्ठ + पृ… के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 8

उत्तर:- प्राथमिक चिकित्सा के सिद्धान्त निम्नलिखित है -

(1) यदि श्वसन क्रिया रुक रही हो या मंद पड़ गई हो तो तुरन्त कृत्रिम श्वाँस दीजिए।

(2) रोगी को शीघ्र अति शीघ्र डॉक्टर के पास या अस्पताल ले जाने का प्रबंध करना चाहिए।

(3) रोगी के पास से भीड़ को हटा देना चाहिए ताकि उसे शुद्ध वायु प्राप्त हो सके।

(4) दूध चाय और ब्रान्डी देने का समय ज्ञात होना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक - 9

उत्तर:- एड्स रोग फैलने के कारण निम्नलिखित है -

(i) दूषित रक्त, सुई एवं सिरिंजों के प्रयोग से।

P.T.O.

8

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 8 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

(ii) संक्रमित रेजर एवं टूथ ब्रश आदि के प्रयोग से।

(iii) एड्स से संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन से।

प्रश्न क्रमांक - 10

B
S
E

उत्तर:- बाल अपराध के तीन कारण निम्न है-

(1) शारिरिक कारण ⇒ बालक के शारीरिक दोष उस पर दूसरों के तिरस्कार का कारण बनते है जिससे बालक के आत्मसम्मान को ठेस पहुँचती है और उनमे बदले की भावना पैदा हो जाती है और वह ~~बाल~~ अपराध करने लगता है।

(2) मनोवैज्ञानिक कारण ⇒ जो बालक सामान्य बुद्धि के होते है उनमे अपराधी प्रवृत्ति का विकास सरलता से हो जाता है। और ~~वह~~ ~~आक्रमणकारी~~ ~~बनकर~~ ~~बाल~~ ~~अपराध~~ जो बालक निरन्तर निराश रहते है वे आक्रमणकारी बनकर बाल-अपराध का दोषी बनता है।

प्रश्न क्र.

(3) सामाजिक कारण ⇒ जो बालक अकेले होते है उनमे अपराधी प्रवृत्ति का विकास नही हो पाता परन्तु बुरी बुरे साथियों की संगति मे पड़कर वे भी अपराध करने लगते है।

प्रश्न क्रमांक - 12

उत्तर:-

तंत्रिका ऊतक ⇒ तंत्रिका ऊतक की रचना तंत्रिका कोशिका और न्यूरॉन्स द्वारा होती है। इन तंत्रिकाओं की रचना तंत्रिका काय और प्रवर्धों द्वारा होती है। जिन्हे 'डेण्ड्राइट्स' डेन्ड्रॉन कहते है।

प्रकार:- (i) तंत्रिका काय ⇒ यह तंत्रिका कोशिका का प्रमुख भाग है इसमे गोलाकार केन्द्रक के चारों ओर साइटोप्लाज्म होता है। साइटोप्लाज्म मे कणिकाएँ पाई जाती है जो पोषण का कार्य करती है। साइटॉन से दो प्रकार के प्रवर्ध निकलते है - (i) डेन्ड्रॉन (ii) एक्सॉन।

(ii) तंत्रिका ⇒ इनमे 'एक्सॉन सम्मलित रुप से एक तंत्रिका तंतु की रचना करते है

P.T.O

योग पूर्व पृष्ठ + [ ] के अंक = [ ] कुल अंक

SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. एक तंत्रिका तंतु, एक तंत्रिका की रचना करते है। तंत्रिका कोशिका के चारों ओर एक झिल्ली न्यूरेलेमा होती है। तंत्रिका तंतु दो प्रकार के होते है –

(i) मेड्यूलेटेड तंत्रिका तंतु।
(ii) नॉन मेड्यूलेटेड तंत्रिका तंतु।

प्रश्न क्रमांक - 13

उत्तर:- पट्टी बाँधने के उद्देश्य निम्नलिखित हैं

(i) पट्टी का उपयोग रक्त स्त्राव रोकने में किया जाता है।

(ii) घाव पर लगी रुई, दवा आदि अपने स्थान पर रहती है।

(iii) घाव भरने मे सहायता देने हेतु।

(iv) चोटिल अंग पर इच्छित दबाव डालने हेतु एवं घाव को और अधिक चोट से बचाने के लिए।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 14

उत्तर:- जल संरक्षण के उपाय निम्नलिखित है -

(i) वर्षा जल का संरक्षण करके भूमिगत जल स्तर बढ़ाना चाहिए।

(ii) जल संरक्षित करने हेतु बड़े - बड़े तालाब, बाँधो और पोखरो का निर्माण किया जाना चाहिए।

(iii) जलस्रोतो को प्रदूषित होने से बचाना चाहिए।

(iv) जल का समुचित नियोजन किया जाना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक - 15

उत्तर:- पूर्व किशोरावस्था की विशेषताएँ निम्नलिखित है -

(i) इस अवस्था मे नव किशोरो की स्थिति भ्रामक, अस्पष्ट और अनिश्चित हो जाती है।

(ii) शारीरिक परिवर्तन के साथ मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी होते है।

प्रश्न क्र.

(iii) पसंद, नापसंद, मित्रता, वार्तालाप, सामाजिक संबंधों मे उनकी स्थिरता व्यवहार और दृष्टिकोण मे दिखाई देती है।

(v) शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन के कारण अनेक नवीन लक्षण दिखाई देते है।

प्रश्न क्रमांक - 16

उत्तर ⇒ धमनी एवं शिरा मे अन्तर :-

क्र.	धमनी	क्र.	शिरा
(i)	धमनीयों में शुद्ध रक्त बहता है।	(i)	शिराओं मे अशुद्ध रक्त बहता है।
(ii)	धमनी मे कपाट नही पाए जाते है।	(ii)	शिराओ मे कपाट पाए जाते है।
(iii)	धमनियों की दीवारें मोटी और व्यास ~~अधिक~~ कम होता है।	(iii)	शिराओ की दीवारें पतली और व्यास ~~अधिक~~ कम होता है।

प्रश्न क्र.

(iv)	धमनी शरीर के अन्दर गहराई मे स्थित होती है।	(iv)	ये शरीर के ऊपरी तारक पाई जाती है।
(v)	धमनियाँ रक्त को अन्य हृदय से अन्य अंगो तक ले जाती है।	(v)	शिराये रक्त को शरीर के अन्य अंगो तक से हृदय तक लाती / ले जाती है।

B
S
E

प्रश्न क्रमाँक - 17

उत्तर :-

दूर द्रष्टि दोष ⇒ इस द्रष्टि दोष में दूर की वस्तुएँ तो साफ दिखाई देती है परन्तु पास की वस्तुएँ स्पष्ट नही दिखाई देती। इसमे नेत्र गोलक अपने स्वभाविक आकार मे न होकर कुछ चपटे हो जाते है। और दूर से आती हुई वस्तु का प्रतिबिम्ब तो पीत बिन्दु पर केन्द्रित हो जाता है परन्तु पास की वस्तुओ का प्रति बिम्ब पीत बिन्दु से थोड़ा दूर केन्द्रित होता है अतः पास की वस्तु स्पष्ट दिखाई नही देती है।

14 [ ] + [ ] = [ ]

याग पूव पृष्ठ | पृष्ठ 14 के अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र.

~~कारण ⇒ वस्तुए दूर से रखकर देखने से आँखे संकुचित करने की आदत हो जाती है। काम अधिक करने से भी यह रोग हो जाता है।~~

यह दोष जन्मजात होता है नेत्र गोलक के छोटे या चपटे हो जाने से हो जाता है।

निराकरण के उपाय ⇒ उत्तल लैंस के चश्मे के प्रयोग से पास की वस्तुएँ स्पष्ट देखी जा सकती है।

B S E

निकट द्रष्टि दोष ⇒ इस द्रष्टि दोष में निकट की वस्तुएँ साफ दिखाई देती है और दूर की वस्तु स्पष्ट नही दिखाई देती है। इस द्रष्टि दोष मे पास की वस्तु से आने वाली किरणे पीत बिन्दु पर केन्द्रित होती है परन्तु दूर की वस्तु से आने वाली प्रकाश किरणे पीत बिन्दु से पहले ही केन्द्रित हो जाती है।

कारण ⇒ कम प्रकाश मे पुस्तके पढने बीमारी के बाद अधिक परिश्रम करने अधिक कढाई - बुनाई या महीन कार्य करने से यह दोष हो जाता है।

निराकरण के उपाय ⇒ अवतल लैंस के चश्मे के प्रयोग से दूर की वस्तुएँ साफ दिखाई दे सकती है व अधिक महीन काम नही करना चाहिए

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 18

उत्तर:- जीव जीवाणु कोशिका की संरचना निम्न है-

(1) बाह्य कवच या कैप्सूल ⇒ यह कोशिका भित्ती के चारो ओर श्लेष्म की एक चिकनी परत होती है जो परजीवी जीवाणुओ मे पाई जाती है, जो जीवाणु की एंटीबॉडीज या श्वेत रक्त कणिकाओ से सुरक्षा करती है। यह परिजवी जीवाणुओ में कवच की भाँति कार्य करती है।

(2) कोशिका भित्ती ⇒ प्रत्येक जीवाणु कोशिका के चारो ओर मजबूत द्रढ कोशिका भित्ती पाई जाती है जो जीवाणु की आकृति बनाए रखती है।

(3) कोशा कला ⇒ यह अर्द्धपारगम्य झिल्ली होती है जो कोशिका भित्ती के ठीक नीचे और जीवद्रव्य के बाहर पायी जाती है।

(4) केन्द्रक ⇒ जीवाणुओ में सत्य केन्द्रक के स्थान पर आरम्भी / आद्य केन्द्रक पाया जाता है जीवाणु कोशिका में

[P.T.O.]

प्रश्न क.

केन्द्रक, केन्द्रक कला से घिरा नही होता है। इसमे एक गुणसूत्र पाया जाता है जो D.N.A. का बना होता है।

(5) पक्ष्म या कशाभ → कुछ जीवाणुओ मे ऊर्ध्व के रूप मे पक्ष्म पाए जाते है जिसकी सहायता से जीवाणु गति करते है।

प्रश्न क्रमांक- 11

उत्तर फेफड़े का नामांकित चित्र -

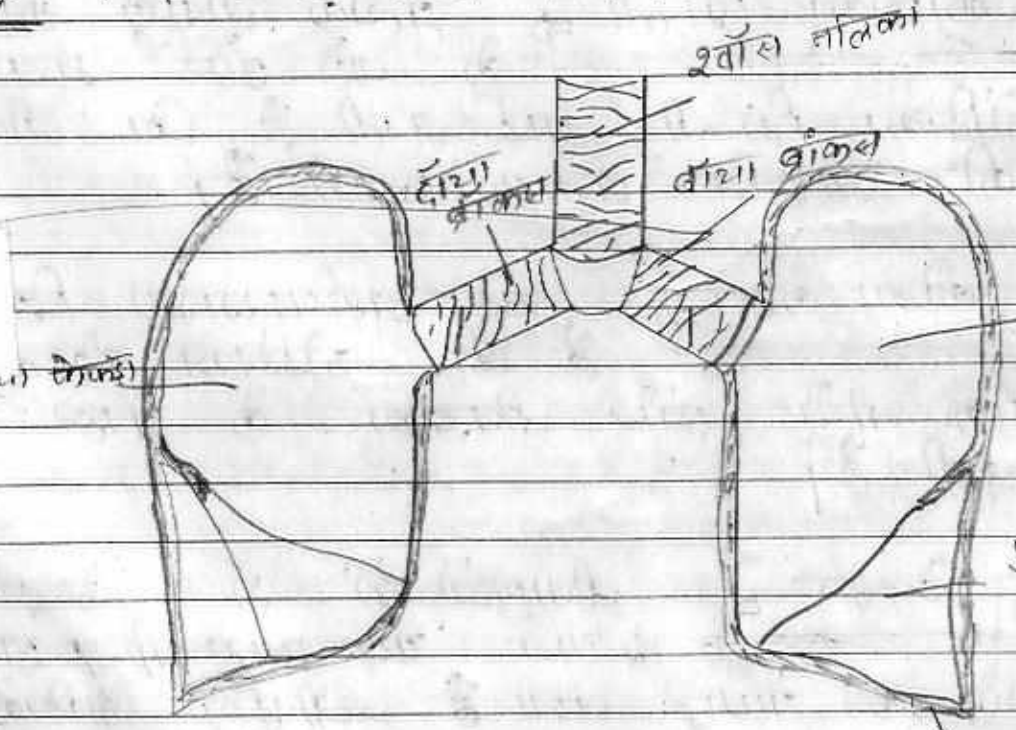

चित्र - फेफड़े